बृहस्पतिवार, 19 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

IPL 2026 का काउंटडाउन शुरू

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रणवीर सिंह की फिल्म ने बढ़ाई टेंशन

Page-05

बिहार में नहीं बढ़ेगी बिजली दर

1 अप्रैल से नए नियम होंगे लागू, उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

- **शहरी घरेलू उपभोक्ताओं को 1.53 रुपये प्रति यूनिट तक राहत**
- **ग्रामीण गैर-घरेलू उपभोक्ताओं को 0.42 रुपये प्रति यूनिट सस्ती बिजली**

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

बिहार के बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य में फिलहाल बिजली दरों में किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं की जाएगी और उपभोक्ताओं को मौजूदा दरों पर ही बिजली मिलती रहेगी।बिहार विद्युत विनियामक आयोग ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की ओर से प्रस्तावित दर वृद्धि को खारिज कर दिया है। कंपनियों ने सभी श्रेणियों के लिए 35 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था, जिसे आयोग ने स्वीकार नहीं किया।हालांकि, आयोग ने उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राहत देते हुए नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत शहरी घरेलू, ग्रामीण और शहरी गैर-घरेलू (व्यावसायिक) श्रेणियों में अब दो स्लैब की बजाय एक ही स्लैब लागू किया जाएगा।नई व्यवस्था में न्यूनतम दर को ही लागू किया गया है, जिससे 100 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को सीधा फायदा मिलेगा और उन्हें सस्ती बिजली मिलेगी। यह नई दरें 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी।यह फैसला आयोग के अध्यक्ष आमिर सुबहानी और सदस्यों अरुण कुमार सिन्हा तथा परशुराम सिंह यादव की मौजूदगी में सुनाया गया।

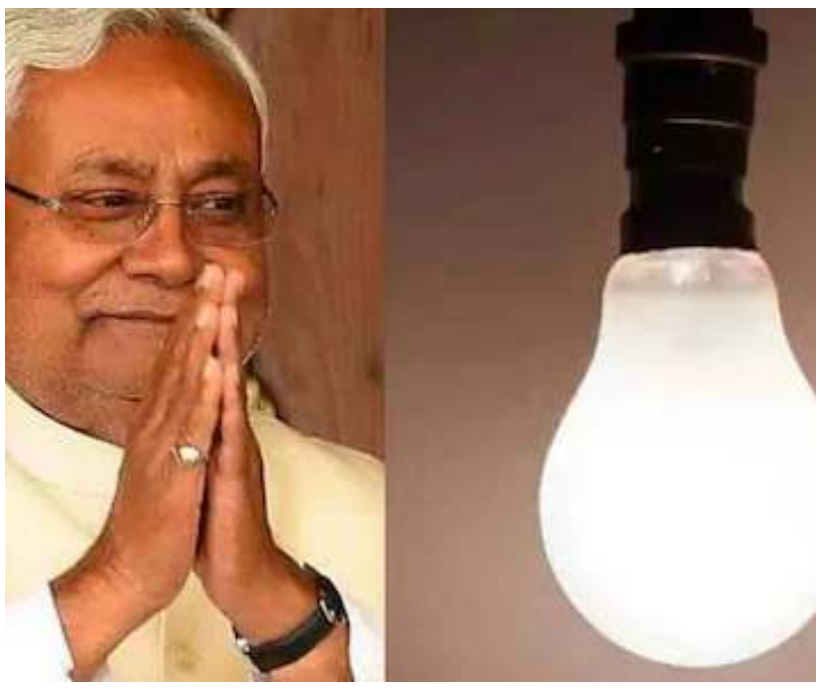

आयोग का मानना है कि इस बदलाव से उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और बिजली बिल में राहत महसूस होगी।इसके साथ ही, उपभोक्ताओं को पारदर्शी बिलिंग और बेहतर सेवा देने पर भी जोर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में बिजली आपूर्ति को और अधिक सुचारू और विश्वसनीय बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।

बिहार में बिजली दर वृद्धि पर रोक: सरप्लस के चलते 35 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोतरी का प्रस्ताव खारिज

बिहार में बिजली दरों में बढ़ोतरी को लेकर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। बिहार विद्युत विनियामक आयोग ने बिजली कंपनियों द्वारा प्रस्तावित 35 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी को खारिज कर दिया है।आयोग के अनुसार, बिजली कंपनियों ने नवंबर 2025 में दर वृद्धि का प्रस्ताव दिया था, जिस पर पटना, गया और बेगूसराय में जनसुनवाई भी की गई। इस दौरान उपभोक्ताओं और अन्य पक्षों की राय ली गई।वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कंपनियों ने भारी राजस्व की मांग रखी थी, लेकिन सुनवाई के दौरान वित्तीय स्थिति का आकलन करने पर अलग तस्वीर सामने आई। आयोग ने पाया कि नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के पास 2.69 करोड़ रुपये और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के पास 1931.35 करोड़ रुपये का सरप्लस मौजूद है। इसी आधार पर आयोग ने फैसला लिया कि दरों में बढ़ोतरी की कोई जरूरत नहीं है और प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया।

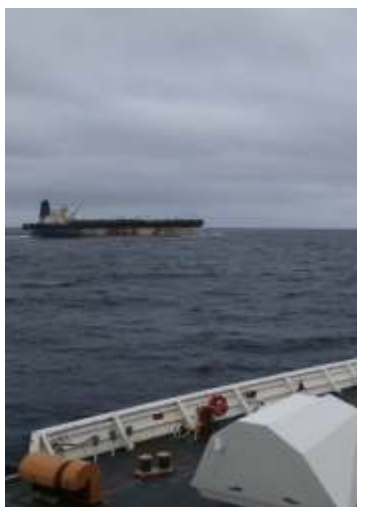

वैश्विक तनाव के बीच भारत की ओर मुड़े तेल टैंकर जहाजों ने बदला रुख

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच बढ़ते वैश्विक ऊर्जा संकट का असर अब समुद्री तेल आपूर्ति पर भी साफ नजर आ रहा है। रूस का कच्चा तेल लेकर चीन जा रहे कई टैंकर अब अचानक अपना रास्ता बदलकर भारत की ओर बढ़ रहे हैं।शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, अफ्रामैक्स टैंकर 'एक्वा टाइटन' 21 मार्च को न्यू मैंगलोर बंदरगाह पहुंचने वाला है। इस जहाज में रूस का यूराल्स क्रूड लदा हुआ है। खास बात यह है कि इस टैंकर ने शुरुआत में चीन के रिझाओ पोर्ट को अपना गंतव्य बताया था, लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्व एशिया के समुद्री क्षेत्र से अचानक भारत की ओर मुड़ गया।ऊर्जा विश्लेषण कंपनी वोर्टेक्सा लिमिटेड के मुताबिक, अब तक कम से कम 7 टैंकर ऐसे हैं, जिन्होंने यात्रा के दौरान अपना गंतव्य चीन से बदलकर भारत कर लिया है। इससे साफ संकेत मिलता है कि मौजूदा हालात में भारत रूसी तेल का बड़ा खरीदार बनता जा रहा है। इसी क्रम में सूएज मैक्स श्रेणी का जहाज 'जूजू एन' भी भारत की ओर रुख कर चुका है।

SC में ED की याचिका पर बहस

कोर्ट की टिप्पणी—केंद्रीय एजेंसियों के काम में बाधा नहीं होनी चाहिए

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

सुप्रीम कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की याचिका को लेकर सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणियां सामने आई हैं। जस्टिस पंकज मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि अगर ED जैसी केंद्रीय एजेंसी के काम में बाधा आती है, तो उसे बिना किसी कानूनी उपाय के नहीं छोड़ा जा सकता।यह टिप्पणी उस दलील के जवाब में आई, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से कहा गया था कि कोई भी केंद्रीय एजेंसी संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख नहीं कर सकती। राज्य की ओर से वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने तर्क दिया कि ED कोई स्वतंत्र कानूनी इकाई नहीं है, बल्कि सरकार का एक विभाग मात्र है, जिसकी अपनी अलग पहचान नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन ही नहीं होता, तो अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल नहीं की जा सकती। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केंद्रीय एजेंसियों को इस अनुच्छेद का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई, तो यह संघीय ढांचे के लिए खतरनाक उदाहरण साबित हो सकता है।वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने भी ED की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ED, CBI को FIR दर्ज करने के लिए निर्देश नहीं दे सकती। उनके मुताबिक, जब तक कोई मूल अपराध दर्ज नहीं होता, ED किसी मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती और न ही मौलिक अधिकारों के आधार पर CBI जांच की मांग कर सकती है।फिलहाल, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई जारी है और आने वाले दिनों में इस पर अहम फैसला सामने आ सकता है।

शिंदे की रणनीति से ठाकरे गुट पर मंडरा रहा खतरा

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े उलटफेर की संभावना जताई जा रही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कथित तौर पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना (ठाकरे गुट) को बड़ा झटका देने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार, शिंदे गुट ने ठाकरे गुट के सांसदों को अपने पाले में लाने के लिए रणनीति बनाई है और इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है।बताया जा रहा है कि ठाकरे गुट के आधे से ज्यादा सांसद शिंदे गुट के संपर्क में हैं, जिनमें से करीब 4 सांसद जल्द ही पाला बदल सकते हैं। इस संभावित दलबदल को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।हाल ही में एकनाथ शिंदे के दिल्ली दौरे के दौरान हुई अहम बैठकों में सिर्फ विकास कार्यों पर ही नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान आगामी कदमों को लेकर सहमति भी बनी है।सूत्रों का यह भी कहना है कि शिंदे ने संपर्क में मौजूद सांसदों की सूची पार्टी नेतृत्व को सौंप दी है। साथ ही, दलबदल के दौरान किसी तरह की कानूनी अड़चन न आए, इसके लिए कानूनी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सांसदों की सदस्यता सुरक्षित रहे, इसके लिए सही समय और रणनीति के तहत यह कदम उठाने की तैयारी की जा रही है।

मोदी सरकार का मेगा डिफेंस प्लान

आधुनिकीकरण से आत्मनिर्भरता तक बड़ा रोडमैप

भारत 2026 में अपनी रक्षा नीति को मजबूत कर रहा है। सरकार ने रक्षा बजट बढ़ाकर सैन्य आधुनिकीकरण, स्वदेशी हथियार निर्माण, नई तकनीकों और निर्यात पर जोर दिया है। 'विजन 2047' के तहत लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली सैन्य शक्ति बनाना है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

वर्ष 2026 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन, चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों, हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सीमाओं पर लगातार तनाव ने भारत को अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से तय करने के लिए प्रेरित किया है। इस पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने व्यापक और बहुआयामी रक्षा रणनीति को अपनाया है, जिसका उद्देश्य सैन्य आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभाव को मजबूत करना है।केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने रक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 7.85 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 15 प्रतिशत अधिक है। यह राशि देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 प्रतिशत और कुल सरकारी खर्च का 14.67 प्रतिशत हिस्सा है। इस बजट में 2.19 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं, जिससे सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, युद्धपोत, पनडुब्बियां, ड्रोन और स्मार्ट हथियारों से लैस किया जा सके।सरकार की दूसरी प्रमुख प्राथमिकता सैन्य आधुनिकीकरण को गति देना है। दो मोर्चों पर संभावित युद्ध की चुनौती को ध्यान में रखते हुए भारत ने अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करने की दिशा में कदम तेज किए हैं। इसी क्रम में नौसेना के लिए 26 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया गया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक स्थिति और मजबूत होगी। साथ ही वायुसेना के लिए नए स्क्वॉड्रन, उन्नत मिसाइल प्रणालियां और लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले हथियार विकसित किए जा रहे हैं। तीसरी महत्वपूर्ण प्राथमिकता आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग का निर्माण है। रक्षा बजट में पूंजीगत खरीद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योगों से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है, जिससे लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपये भारतीय कंपनियों को मिलेंगे। इस पहल से न केवल सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि देश में रक्षा उत्पादन का मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होगा। उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां अब तक 35,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया जा चुका है। सरकार ने नई पीढ़ी के युद्ध क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया है। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर युद्ध और डेटा आधारित सैन्य रणनीतियों को भविष्य के युद्धों का आधार माना जा रहा है। इसी दिशा में ड्रोन फोर्स, जियो-स्पेशल एजेंसी और डेटा फोर्स जैसी इकाइयों के गठन की योजना बनाई गई है, ताकि वर्ष 2047 तक भारत एक तकनीकी रूप से उन्नत सैन्य शक्ति बन सके।रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। हाल ही में इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल सौदा इसका उदाहरण है, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से बल्कि सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अलावा भविष्य के खतरों से निपटने के लिए रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा प्रस्तुत 'विजन 2047' में इन सभी पहलुओं को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य भारत को एक आत्मनिर्भर, सशक्त और तकनीकी रूप से उन्नत सैन्य शक्ति बनाना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रणनीति प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो आने वाले वर्षों में भारत न केवल दक्षिण एशिया बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला देश बन सकता है।

ईरान ने बढ़ाया अफगानिस्तान से नाता, पाकिस्तान पर बिना नाम लिए साधा निशाना

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में जारी ईरान, अमेरिका और इज़रायल के बीच तनावपूर्ण हालात के बीच क्षेत्रीय समीकरण और जटिल होते जा रहे हैं। एक ओर जहां ईरान पश्चिमी ताकतों के साथ संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी सैन्य टकराव की स्थिति बनी हुई है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची का एक सोशल मीडिया पोस्ट अचानक चर्चा का केंद्र बन गया है।इस पोस्ट में अराघची ने अफगानिस्तान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उसे समर्थन का संकेत दिया है। उन्होंने रमजान के अवसर पर जारी संदेश में अफगानिस्तान की सरकार और वहां के नागरिकों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान ने "आक्रामकता के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर" ईरान का साथ दिया है। हालांकि, अपने इस बयान में अराघची ने सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों को पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर किए जा रहे हमलों की अप्रत्यक्ष आलोचना के रूप में देखा जा रहा है। क्षेत्रीय विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान मौजूदा हालात में ईरान की कूटनीतिक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह अपने पक्ष में अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। दरअसल, अमेरिका और इज़रायल के हमलों के बाद ईरान वैश्विक स्तर पर समर्थन हासिल करने के प्रयास तेज कर चुका है। ऐसे में हर देश का रुख उसके लिए महत्वपूर्ण हो गया है। अफगानिस्तान के प्रति जताया गया यह समर्थन न केवल कूटनीतिक संकेत है, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों की ओर भी इशारा करता है। मौजूदा परिस्थितियों में यह स्पष्ट है कि मध्य पूर्व और उसके आसपास के क्षेत्रों में तनाव केवल सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह कई देशों को प्रभावित कर रहा है। ईरान का यह कदम आने वाले समय में क्षेत्रीय राजनीति पर महत्वपूर्ण असर डाल सकता है।

India की जीत!

संकट के बीच रूसी तेल की खेप पहुंची भारत

'ईरान किसी एक नेता पर निर्भर नहीं'

विदेश मंत्री का बड़ा बयान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 19वां दिन है और इस युद्ध ने पूरे मध्य पूर्व को गहरे संकट में डाल दिया है। लगातार हो रहे हमलों के कारण क्षेत्र में भारी तबाही मची हुई है और खासतौर पर ईरान को बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिकी और इज़रायली हमलों में ईरान के शीर्ष नेतृत्व और सैन्य ढांचे को गंभीर क्षति पहुंची है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन हमलों में 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।इस बीच, ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई वरिष्ठ नेताओं और सैन्य कमांडरों के मारे जाने की खबरों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। मंगलवार को ईरान के प्रमुख सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी की भी हत्या कर दी गई। लारीजानी सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव थे और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा विदेश नीति के प्रमुख समन्वयक माने जाते थे। लारीजानी की मौत के बाद ईरान की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया कि इस घटना से देश की राजनीतिक व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ईरान का शासन तंत्र किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं है और देश की संस्थाएं इतनी मजबूत हैं कि किसी

भी व्यक्तिगत क्षति से पूरा सिस्टम डगमगाने वाला नहीं है। अराघची ने कहा, "ईरान की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं बेहद सुदृढ़ हैं। किसी एक व्यक्ति की मौजूदगी या अनुपस्थिति से देश की स्थिरता प्रभावित नहीं होगी।" उन्होंने यह भी दोहराया कि लारीजानी का योगदान बेहद महत्वपूर्ण था, लेकिन उनकी मौत के बावजूद ईरान अपनी नीतियों और रणनीति पर मजबूती से कायम रहेगा। मौजूदा हालात में मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और इस युद्ध के जल्द खत्म होने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में यह संघर्ष किस दिशा में आगे बढ़ता है।

ईरान-इजराइल टकराव ने दुनिया को दी वैश्विक संकट की चेतावनी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष अब तेजी से वैश्विक संकट का रूप लेता जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि इस युद्ध के वैश्विक प्रभाव शुरू हो चुके हैं और यह किसी भी देश, धर्म या वर्ग को नहीं बख्शेगा।बुधवार सुबह ईरान ने इजराइल पर क्लस्टर मिसाइलों से बड़ा हमला किया। खोर्रमशहर-4 और कदर मिसाइलों के जरिए तेल अवीव को निशाना बनाया गया। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इसे अपने शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारिजानी की हत्या का बदला बताया है। इस हमले में भारी तबाही की खबर है और इजराइल के 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया गया।ईरानी सेना प्रमुख आमिर हातमी ने कहा कि यह केवल शुरुआत है और जवाब ऐसा होगा जिसे दुश्मन कभी नहीं भूलेगा। वहीं ईरान के कमांडर अली अब्दुल्लाही ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी देते हुए बड़े हमले की बात कही है। दूसरी ओर,

अमेरिका ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए होरमुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के भूमिगत मिसाइल ठिकानों पर भारी बमबारी की। अमेरिकी सेना का दावा है कि ये ठिकाने अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी के लिए खतरा थे, लेकिन इस कार्रवाई ने तनाव को और बढ़ा दिया है। जमीनी हालात भी तेजी से बिगड़ रहे हैं। इजराइल के मध्य क्षेत्रों पर हुए बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत और कई घायल हुए हैं। तेल अवीव में दहशत का माहौल है। वहीं बगदाद में अमेरिकी दूतावास के आसपास रॉकेट और ड्रोन हमले फिर शुरू हो गए हैं, जबकि संयुक्त अरब अमीरात में भी मिसाइल गिरने की खबर है।

होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नौसेना का पावर शो

ऑपरेशन संकल्प से दुनिया को कड़ा संदेश

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की अस्थिर स्थिति के बीच भारतीय नौसेना ने अपनी सक्रियता और रणनीतिक तैयारी से यह स्पष्ट कर दिया है कि हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। ईरान और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य हलचल के चलते वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरे की आशंका बढ़ी है, जिसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि देश की लगभग 80 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। इन परिस्थितियों में भारतीय नौसेना का 'ऑपरेशन संकल्प' केवल सुरक्षा उपाय नहीं, बल्कि एक प्रभावी शक्ति प्रदर्शन के रूप में सामने आया है। खाड़ी क्षेत्र में तैनात भारतीय युद्धपोत लगातार निगरानी कर रहे हैं और भारत की ओर आने वाले व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। अत्याधुनिक हथियारों से लैस मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस सूरत को ओमान की खाड़ी में तैनात किया गया है, जो किसी भी संभावित खतरे से निपटने में सक्षम है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में भारत से जुड़े 22 जहाज फंसे हुए हैं, जिन पर 611 नाविक सवार हैं। इसके अलावा चार जहाज पूर्वी हिस्से में भी प्रभावित हैं। यह न केवल व्यापारिक बल्कि सामरिक चुनौती भी है, जिसका जवाब भारत ने अपनी नौसैनिक ताकत के जरिए दिया है। अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती के खिलाफ भी भारतीय नौसेना का अभियान जारी है, जहां तीन युद्धपोत तैनात हैं। ये जहाज स्वेज नहर और लाल सागर के रास्ते भारत आने वाले समुद्री व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और अंडमान-निकोबार क्षेत्र से लेकर मालदीव और सेशेल्स तक भारतीय नौसेना की सक्रिय मौजूदगी उसकी बढ़ती समुद्री शक्ति को दर्शाती है।हाल के घटनाक्रम में भारतीय ध्वज वाले कई जहाज सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचे हैं, जो नौसेना की तत्परता और प्रभावशीलता का प्रमाण है। इसके साथ ही भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है। गुआम के पास आयोजित बहुराष्ट्रीय 'सी-ड्रैगन' अभ्यास में भागीदारी और कारवार में पनडुब्बियों

के रखरखाव के लिए अत्याधुनिक सुविधा की स्थापना, भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को दर्शाती है।इन सभी प्रयासों से यह स्पष्ट है कि भारतीय नौसेना अब केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालने वाली शक्ति के रूप में उभर रही है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यह भूमिका न केवल उसके राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री स्थिरता को भी मजबूती प्रदान करेगी।

संपादक की कलम से

भारत जैसे विशाल और युवा देश के लिए बेरोजगारी एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। हर वर्ष लाखों युवा शिक्षा प्राप्त कर नौकरी की तलाश में निकलते हैं, लेकिन सभी को रोजगार मिल पाना संभव नहीं हो पाता। यह स्थिति न केवल आर्थिक दृष्टि से चिंताजनक है, बल्कि सामाजिक असंतोष और निराशा को भी जन्म देती है। बेरोजगारी के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है शिक्षा और कौशल के बीच का अंतर। हमारी शिक्षा प्रणाली अधिकतर सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित है, जबकि उद्योगों को व्यावहारिक और तकनीकी कौशल वाले युवाओं की आवश्यकता होती है। परिणामस्वरूप, डिग्री होने के बावजूद युवा रोजगार के योग्य नहीं माने जाते। इसके अलावा, जनसंख्या वृद्धि भी बेरोजगारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दूसरा बड़ा कारण है उद्योगों और रोजगार के अवसरों की कमी। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी रोजगार के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण लोग शहरों की ओर पलायन करते हैं। इससे शहरी क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और बेरोजगारी की समस्या और गहराती है। साथ ही, कई बार सरकारी नीतियों में देरी और जटिल प्रक्रियाएँ भी नए उद्योगों की स्थापना में बाधा बनती हैं। बेरोजगारी का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं होता, बल्कि यह मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। लंबे समय तक बेरोजगार रहने से युवाओं में आत्मविश्वास की कमी, तनाव और अवसाद जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। कुछ मामलों में यह अपराध की ओर भी प्रेरित कर सकता है, जो समाज के लिए हानिकारक है।इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता है। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में सुधार करना आवश्यक है ताकि छात्रों को व्यावहारिक और रोजगारपरक कौशल सिखाए जा सकें। स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना चाहिए। इसके अलावा, सरकार को छोटे और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न हो सकें।स्वरोजगार को भी बढ़ावा देना एक प्रभावी उपाय हो सकता है। यदि युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें वित्तीय सहायता व मार्गदर्शन प्रदान किया जाए, तो वे स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं।अंततः, बेरोजगारी की समस्या का समाधान केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। सही दिशा में उठाए गए कदम ही इस समस्या को कम कर सकते हैं और देश के युवाओं को एक उज्ज्वल भविष्य प्रदान कर सकते हैं।

चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, सांसद ने थामा BJP का दामन

असम के सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़ भाजपा जॉइन कर ली, जिससे चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका लगा। उन्होंने पार्टी में अपमान और घुटन को वजह बताया। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने स्वागत करते हुए इसे भाजपा के लिए मजबूती बताया और आगे और नेताओं के शामिल होने के संकेत दिए।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम की राजनीति में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। नगांव से लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। बुधवार को उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस घटनाक्रम को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। प्रद्युत बोरदोलोई ने मंगलवार को ही कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। पार्टी छोड़ने के कारणों पर उन्होंने कहा कि यह निर्णय किसी एक वजह से नहीं लिया गया, बल्कि लंबे समय से वह पार्टी में घुटन और अपमान महसूस कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर उनके विचारों और प्रयासों को उचित सम्मान नहीं मिल रहा था, जिससे वह आहत थे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि संगठन के भीतर संवाद की कमी और नेतृत्व से दूरी ने उनके फैसले को प्रभावित किया। बोरदोलोई ने बताया कि 13 मार्च को असम में केंद्रीय चुनाव से संबंधित एक बैठक के दौरान उन्हें गहरा धक्का लगा। उनके अनुसार, कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने उनके खिलाफ बयान देते हुए कहा कि जिस उम्मीदवार के विरुद्ध बोरदोलोई ने आपराधिक सांठगांठ के सबूत प्रस्तुत किए थे, वह सभी आरोप झूठे और मनगढ़ंत हैं। बोरदोलोई ने कहा कि यह टिप्पणी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में की गई, जिससे उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित महसूस हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की चुप्पी ने उन्हें और अधिक आहत किया।वहीं, इस मौके पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बोरदोलोई का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि उनका कांग्रेस से जुड़ाव 1975 से रहा है, लेकिन अब उनका भाजपा में शामिल होना पार्टी को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश नेतृत्व केंद्रीय नेतृत्व को सिफारिश करेगा कि बोरदोलोई को आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाए। सरमा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आत्मसम्मान रखने वाले व्यक्ति के लिए उस पार्टी में रहने का कोई कारण नहीं है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि आने वाले दिनों में कई अन्य नेता भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नवज्योति तालुकदार सहित अन्य नेता गुवाहाटी में पार्टी की सदस्यता लेंगे और पार्टी जल्द ही अपने उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने वाली है। इस घटनाक्रम ने असम की राजनीतिक सरगर्मी को और तेज कर दिया है। चुनाव से पहले इस तरह के दलबदल को राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका असर आने वाले चुनाव परिणामों पर भी पड़ सकता है। इससे अन्य दलों में भी हलचल बढ़ सकती है और आने वाले दिनों में और बड़े राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

नंदीग्राम से पीछे हटीं ममता? भाजपा का हमला—'डर गईं, अब भवानीपुर में होगी हार'

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की सियासत में विधानसभा चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने नंदीग्राम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का साहस नहीं दिखाया। मजूमदार ने दावा किया कि ममता बनर्जी 2021 में नंदीग्राम से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से हार चुकी हैं, इसलिए इस बार उन्होंने उस सीट से दूरी बनाई है। उन्होंने यह भी कहा कि भवानीपुर सीट से भी ममता बनर्जी को हार का सामना करना पड़ेगा और यह उनके राजनीतिक करियर का अंत साबित हो सकता है।गौरतलब है कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी ने हराया था। हालांकि, बाद में भवानीपुर उपचुनाव में ममता बनर्जी ने भाजपा उम्मीदवार प्रियंका तिबरेवाल को हराकर विधानसभा में वापसी की थी। इस बार के चुनाव में भवानीपुर सीट पर एक बार फिर ममता बनर्जी और सुवेंदु अधिकारी के बीच मुकाबला होने की संभावना जताई जा रही है, जबकि अधिकारी नंदीग्राम सीट पर अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश करेंगे।

इधर, पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद सामिक भट्टाचार्य ने भी सुवेंदु अधिकारी की जीत का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी द्वारा नंदीग्राम सीट छोड़ना यह दर्शाता है कि उन्हें अपनी हार का डर है। भट्टाचार्य ने दावा किया कि इस बार सुवेंदु अधिकारी भवानीपुर सीट से भी लगभग 25 हजार वोटों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे।वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने भी चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने चंद्रिमा भट्टाचार्य को दमदम उत्तर, मदन मित्रा को कमरहटी, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम को कोलकाता पोर्ट, कुणाल घोष को बेलेघाटा और शशि पांजा को श्यामपुकुर सीट से मैदान में उतारा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित होंगे। पहले चरण के लिए 23 अप्रैल और दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना 4 मई को होगी, जबकि पूरी चुनाव प्रक्रिया 6 मई तक संपन्न होने की संभावना है।

राज्यसभा में भावुक पल, PM मोदी बोले—जनसेवा कभी खत्म नहीं होती

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में अपना कार्यकाल पूरा कर रहे सदस्यों को भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर उन्होंने सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए संसदीय लोकतंत्र में अनुभव की अहम भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनसेवा का मार्ग कभी समाप्त नहीं होता और एक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी सदन की औपचारिक सीमाओं से कहीं आगे तक जाती है। सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "राजनीति में कोई पूर्ण विराम नहीं होता।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनसेवा का सफर कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी निरंतर जारी रहता है। उन्होंने युवा सांसदों से अपील की कि वे अनुभवी नेताओं से सीखें और उनके मार्गदर्शन से अपनी भूमिका को और प्रभावी बनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सदन में विभिन्न मुद्दों पर होने वाली चर्चाओं में हर सदस्य की अपनी एक विशिष्ट भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे क्षण आते हैं जब आपसी सम्मान की भावना दलगत सीमाओं से ऊपर उठ जाती है। उन्होंने विदा ले रहे सदस्यों से कहा कि राजनीति में कोई अंत नहीं होता और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियां आगे भी जारी रहती हैं। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ नेताओं एच डी देवेगौड़ा, मल्लिकार्जुन खड़गे और शरद पवार का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय सेवा को समर्पित किया है और उनका अनुभव नए सांसदों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि समर्पण, अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी जैसे गुण वरिष्ठ नेताओं से सीखने योग्य हैं।प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हरिवंश ने शांत, संतुलित और कुशल तरीके से सदन की कार्यवाही का संचालन किया है। साथ ही उन्होंने उनकी लेखनी, परिश्रम और देशभर में सक्रिय सहभागिता की भी प्रशंसा की। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने सभी सदस्यों से संसद की गरिमा

बनाए रखने और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनुभवी नेताओं का मार्गदर्शन लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आने वाली पीढ़ियों को इससे निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी।

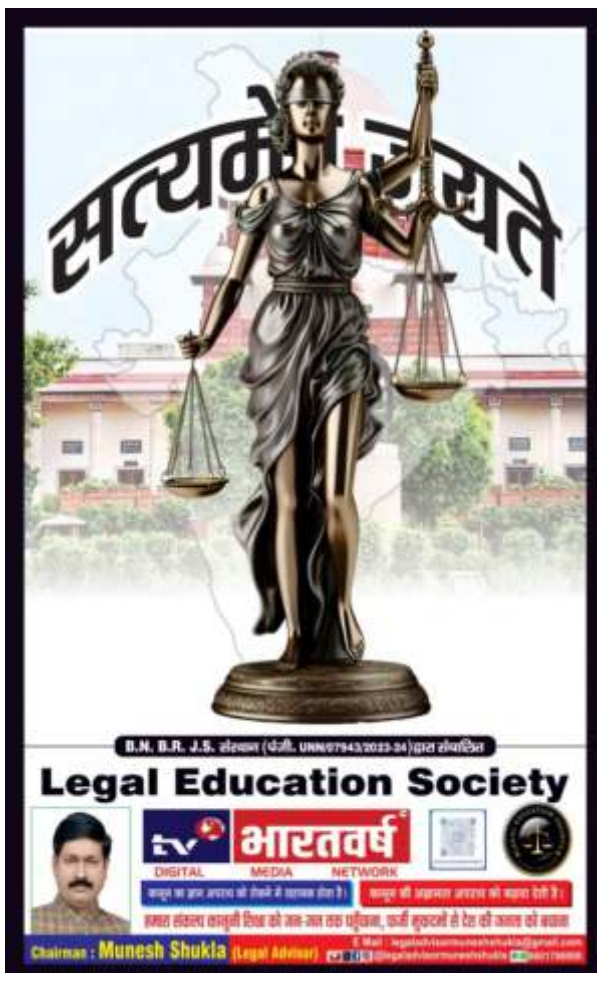

युद्ध के बीच बदला निवेश का खेल

सोना-चांदी फिसले, क्रिप्टो में तूफानी तेजी

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध का असर अब वैश्विक आर्थिक बाजारों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। 28 फरवरी से शुरू हुआ यह संघर्ष अब 19वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इसके चलते निवेशकों के रुझान में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस दौरान जहां एक ओर पारंपरिक सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है, वहीं दूसरी ओर क्रिप्टोकरेंसी बाजार में तेज उछाल दर्ज किया गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच निवेशक अब तेजी से डिजिटल एसेट्स की ओर रुख कर रहे हैं। कॉइन मार्केट कैप के आंकड़ों के मुताबिक 27 फरवरी को क्रिप्टोकरेंसी का कुल वैश्विक बाजार पूंजीकरण 2.27 ट्रिलियन डॉलर था, जो बढ़कर अब 2.55 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है, जो बताता है कि अनिश्चितता के इस दौर में निवेशक वैकल्पिक निवेश विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।क्रिप्टो बाजार की अग्रणी डिजिटल मुद्रा बिटकॉइन ने इस अवधि में शानदार प्रदर्शन किया है। 28 फरवरी को जहां इसकी कीमत लगभग 63 हजार डॉलर थी, वहीं अब यह बढ़कर करीब 74,500 डॉलर तक पहुंच गई है। इस तरह मात्र 19 दिनों में बिटकॉइन में लगभग 18 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। इसी प्रकार, दूसरी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम में भी करीब 27 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है। हालांकि, बिटकॉइन अभी भी अपने पूर्व उच्चतम स्तर 1.25 लाख डॉलर से नीचे है, लेकिन मौजूदा तेजी ने निवेशकों के भरोसे को फिर से मजबूत किया है।मार्केट विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक स्तर पर तनाव की स्थिति बनी रहती है, तो क्रिप्टोकरेंसी बाजार में आगे भी तेजी जारी रह सकती है। डिजिटल एसेट्स को अब एक वैकल्पिक सुरक्षित निवेश के रूप में देखा जाने लगा है, जो पारंपरिक निवेश साधनों को चुनौती दे रहा है। वहीं दूसरी ओर, आमतौर पर युद्ध या वैश्विक संकट के समय सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में तेजी देखने को मिलती है, लेकिन इस बार स्थिति इसके विपरीत है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर 27 फरवरी को सोने की कीमत 1,62,104 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो अब गिरकर लगभग 1,55,598 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई है। यह करीब 4 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।चांदी की कीमतों में भी इसी तरह की गिरावट दर्ज की गई है। 2,82,644 रुपये प्रति किलोग्राम से गिरकर यह अब 2,50,847 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है, जो 11 प्रतिशत से अधिक की कमी को दर्शाता है। कुल मिलाकर, मौजूदा वैश्विक संकट ने निवेशकों की प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव ला दिया है। जहां पहले संकट के समय पारंपरिक सुरक्षित निवेश विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती थी, वहीं अब डिजिटल एसेट्स तेजी से निवेशकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। यह रुझान आने वाले समय में वैश्विक निवेश परिदृश्य को नई दिशा दे सकता है।

घरेलू कोर्ट पर दम दिखाने को तैयार रामित टंडन, इंडियन ओपन में बड़ा मौका

भारतीय स्क्वॉश के दिग्गज खिलाड़ी रामित टंडन इस साल सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों को ध्यान में रखते हुए अपनी फॉर्म को चरम पर ले जाने के लक्ष्य के साथ तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, फिलहाल उनका पूरा ध्यान जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पर है, जहां वह घरेलू मैदान पर खेलने के अवसर का भरपूर आनंद लेना चाहते हैं। यह टूर्नामेंट बुधवार से शुरू हो रहा है, जिसमें टंडन के साथ उभरती महिला स्टार अनाहत सिंह भी हिस्सा लेंगी।टंडन का मानना है कि इंडियन ओपन जैसे घरेलू टूर्नामेंट भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इससे उन्हें विदेश यात्रा किए बिना उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भाग लेने का मौका मिलता है। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में यात्रा से जुड़ी चुनौतियों को देखते हुए यह अवसर और भी खास हो जाता है। उनके अनुसार, घरेलू उड़ान लेकर अपने ही देश में टूर्नामेंट खेलना खिलाड़ियों के लिए काफी सुविधाजनक और लाभदायक है।उन्होंने यह भी कहा कि अपने देश में खेलना हमेशा विशेष अनुभव होता है, क्योंकि यहां खिलाड़ी अपने परिवार, दोस्तों और उन लोगों के सामने खेलते हैं जिन्होंने उनकी खेल यात्रा में उनका साथ दिया है। टंडन ने कहा कि एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में उन्हें ऐसे मौके कम ही मिलते हैं, क्योंकि अधिकतर प्रतियोगिताएं अमेरिका और ब्रिटेन में आयोजित होती हैं। ऐसे में भारत लौटकर खेलने का अवसर उनके लिए बेहद खास होता है, खासकर मुंबई का क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (CCI) मैदान उनके दिल के करीब है।टंडन ने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भाग लेने के दौरान होने वाली यात्रा की कठिनाइयों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी की उड़ानें और लगातार यात्रा शरीर पर गहरा असर डालती हैं, जिसके बारे में अक्सर चर्चा नहीं होती।।

ICC रैंकिंग में बुमराह की छलांग

टॉप-5 गेंदबाजों में शामिल

ओपनिंग मैच से पहले RCB को नुकसान, हेजलवुड की फिटनेस पर सवाल

आईपीएल 2026 के आगाज से ठीक पहले डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड शुरुआती दो मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। हेजलवुड फिलहाल चोट से उबर रहे हैं और पूरी तरह फिट नहीं हैं, जिसके कारण टीम को शुरुआती मुकाबलों में उनकी कमी खल सकती है। जानकारी के अनुसार, हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और एचिलीस की समस्या से जूझ रहे हैं। इसी चोट के चलते वह हाल ही में एशेज सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। पिछले सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन ने RCB को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हेजलवुड ने आईपीएल 2025 में 22 विकेट झटकते हुए टीम की गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई की थी। ऐसे में उनका शुरुआती मैचों से बाहर रहना टीम के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है।RCB मैनेजमेंट और टीम फिजियो उनकी फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उम्मीद की जा रही है कि वह जल्द ही पूरी तरह फिट होकर टीम से जुड़ेंगे। हालांकि, शुरुआती मुकाबलों में टीम को अपनी गेंदबाजी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है और अन्य गेंदबाजों को जिम्मेदारी उठानी होगी। इधर, सनराइजर्स हैदराबाद को भी अपने कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी का सामना करना पड़ेगा। कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और लंबे समय से रिहैब प्रक्रिया में हैं। उनकी अनुपस्थिति भी टीम के संतुलन पर असर डाल सकती है, खासकर गेंदबाजी विभाग में। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मैच सीजन के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि दोनों टीमें जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगी।

फखर जमान की वापसी पर घमासान, कैच के बाद चयनकर्ता पर निशाना

पाकिस्तान क्रिकेट में इन दिनों चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर विवाद तेज हो गया है। हाल ही में चयनकर्ता आकिब जावेद के एक बयान ने इस मुद्दे को और गरमा दिया। जावेद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि टी20 विश्व कप के दौरान बाबर आजम और फखर जमान चोटिल थे, लेकिन चयन समिति को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने इस मामले की जांच कराने की भी मांग की थी।हालांकि, इस बयान के बाद मामला तब और दिलचस्प हो गया जब फखर जमान ने नेशनल टी20 कप में शानदार फील्डिंग का प्रदर्शन किया। एबटाबाद रीजन की ओर से खेलते हुए फखर ने लाहौर रीजन व्हाइट्स के खिलाफ सेमीफाइनल में मिड-ऑन पर एक बेहतरीन कैच पकड़ा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसके बाद कई यूजर्स ने आकिब जावेद को निशाने पर लेते हुए सवाल उठाए कि जब फखर इतनी अच्छी फील्डिंग कर रहे हैं तो उन्हें चोटिल कैसे बताया गया। विवाद के बीच फखर जमान ने खुद सामने आकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वीकार किया कि वह पूरी तरह फिट नहीं थे और 50 ओवर के मैच खेलने के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने यह भी कहा कि आकिब जावेद का बयान गलत नहीं था। फखर ने बताया कि उन्होंने 15 मार्च को फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही नेशनल टी20 कप में हिस्सा लिया। फखर जमान अब 26 मार्च से शुरू होने वाले पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में भी खेलने के लिए तैयार हैं।

IPL 2026 का काउंटडाउन शुरू

टीमों ने तेज की तैयारी

आईपीएल 2026 का आगाज अब महज कुछ दिनों की दूरी पर है और 28 मार्च की शाम बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस के साथ ही भारत में क्रिकेट के सबसे बड़े 'त्योहार' की शुरुआत हो जाएगी। यह इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन होगा, जो अपने अब तक के सबसे भव्य और लंबे प्रारूप में खेला जाएगा। इस बार का सीजन पिछले सभी संस्करणों से अलग और ज्यादा रोमांचक माना जा रहा है। इस सीजन में 10 टीमों के बीच कुल 84 मुकाबले खेले जाएंगे, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा आईपीएल बना देता है। इससे पहले अधिकतम 74 मैच खेले गए थे। देशभर के 13 अलग-अलग वेन्यू पर 64 दिनों तक क्रिकेट का जबरदस्त रोमांच देखने को मिलेगा। सभी टीमें इस बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार हैं और प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप के जरिए खिलाड़ी खुद को मैच फिट बनाने में जुटे हुए हैं।टी20 विश्व कप के समाप्त होने के महज 20 दिन बाद आईपीएल की शुरुआत हो रही है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) और फ्रेंचाइजियां खिलाड़ियों के वर्कलोड पर खास ध्यान दे रही हैं, ताकि उन्हें फिट रखा जा सके। विभिन्न टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर अपने ट्रेनिंग कैंप आयोजित किए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और अनुभवी खिलाड़ी एमएस धोनी ने 1 मार्च से चेन्नई के नवेलूर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास शुरू कर दिया है। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10 फरवरी से अपना कैंप शुरू किया, जिसमें जितेश शर्मा, वेंकटेश अय्यर और सुयश शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल हुए।गुजरात टाइटंस ने 16 फरवरी से नाथद्वारा में कैंप लगाया, जिसमें कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने हिस्सा लिया। पंजाब किंग्स ने 8 से 14 फरवरी तक अबू धाबी में अभ्यास किया, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने तेज गेंदबाजों को डरबन भेजा। इसके अलावा मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स ने भी अपने-अपने कैंप शुरू कर दिए हैं। इस बार का आईपीएल एक खास वजह से भी चर्चा में है। एमएस धोनी, रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ी संभवतः आखिरी बार एक साथ इस लीग में खेलते नजर आ सकते हैं। धोनी, जिन्हें 'थाला' के नाम से जाना जाता है, 44 साल की उम्र में अपने संभावित विदाई सीजन की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि वह इस बार 'इम्पैक्ट प्लेयर' की भूमिका में अधिक दिखाई दे सकते हैं। वहीं, मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा भी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने नेट्स में आक्रामक बल्लेबाजी का अभ्यास किया है और खबर है कि उन्होंने फिटनेस के लिए करीब 11 किलो वजन कम किया है।कुल मिलाकर, आईपीएल 2026 का यह सीजन न केवल आकार में बड़ा है, बल्कि इसमें रोमांच, प्रतिस्पर्धा और भावनाओं का अनोखा संगम देखने को मिलेगा, जो इसे अब तक के सबसे यादगार संस्करणों में शामिल कर सकता है।

उज्बेकिस्तान के बच्चों ने 'दिल लगा लिया' पर दी दिलकश परफॉर्मेंस

सरहदों के पार 'बॉलीवुड' का जादू

उज्बेकिस्तान में आयोजित एक टैलेंट शो में बच्चों ने 'मैं शायर तो नहीं' जैसे बॉलीवुड क्लासिक्स पर शानदार डांस किया. रंग-बिरंगे कॉस्ट्यूम और गजब के आत्मविश्वास के साथ दी गई इस प्रस्तुति ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है.

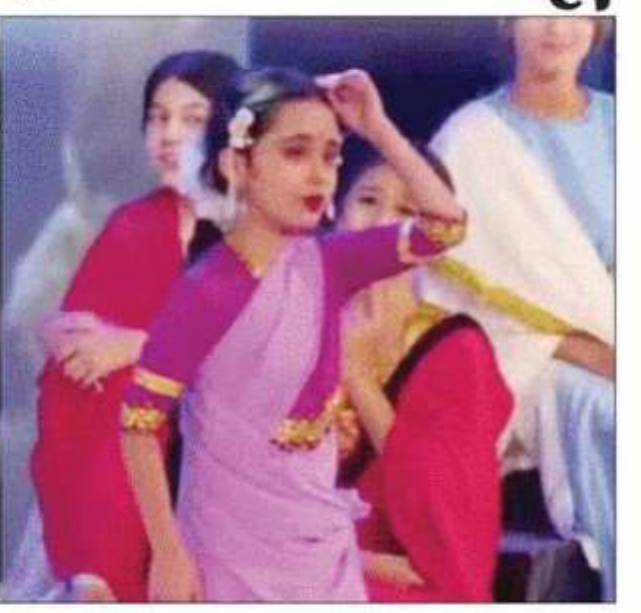

उज्बेकिस्तान में आयोजित एक टैलेंट शो के दौरान बच्चों ने मशहूर बॉलीवुड गानों पर डांस किया (Photos: @uxlamaysizmi_official/instagram)

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ रही है. उज्बेकिस्तान में आयोजित एक टैलेंट शो के दौरान बच्चों ने मशहूर बॉलीवुड गानों पर डांस किया और यह पल इंटरनेट पर लोगों को बेहद पसंद आ रहा है. कई यूजर्स इसे भारतीय सिनेमा को दिया गया एक प्यारा और दिल छू लेने वाला ट्रिब्यूट बता रहे हैं. सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हो रहे इन वीडियो क्लिप्स में छोटे-छोटे बच्चे स्टेज पर बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं. बताया जा रहा है कि यह पेशकश किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम या टैलेंट शो का हिस्सा थी, जहां छात्रों ने अलग-अलग ग्रुप बनाकर मंच पर डांस प्रस्तुत किया. वीडियो में दिखाई देता है कि बच्चे रंग-बिरंगे कॉस्ट्यूम पहनकर स्टेज पर आते हैं और फिर बॉलीवुड के क्लासिक गानों पर अपनी प्रस्तुति देते हैं. हर ग्रुप अलग गाने पर डांस करता है और गानों के साथ सिंपल लेकिन एनर्जेटिक स्टेप्स करते हुए नजर आता है. इन परफॉर्मेंस में जिन गानों का इस्तेमाल किया गया उनमें बॉलीवुड के कई लोकप्रिय क्लासिक गाने शामिल हैं. ⊙

जंग की कहानी से ज्यादा युवक के 'लुक्स' की चर्चा

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच दुबई से लौटे 20 साल के एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा में आ गया है. वह कैमरे के सामने खड़े होकर वहां के हालात बता रहा था- कैसे इलाके में तनाव बढ़ा, कैसे धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और किस तरह उन घटनाओं ने उसके मन में डर पैदा कर दिया. लेकिन इंटरनेट की दुनिया का ध्यान उसकी बातों से ज्यादा किसी और चीज पर टिक गया. ⊙

अपने आखिरी वक्त में कहां बैठे थे खामेनेई?

मिडिल ईस्ट में बढ़ते टकराव के बीच इजरायल ने एक ऐसा वीडियो जारी किया है जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है.

इजरायल डिफेंस फोर्सेस (IDF) ने 6 मार्च 2026 को एक 3D एनिमेशन वीडियो शेयर किया, जिसमें तेहरान में बने एक कथित अंडरग्राउंड बंकर की संरचना दिखाई गई है. इजरायल का दावा है कि यह बंकर ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई से जुड़ा हुआ था.

IDF के मुताबिक इजरायली एयर फोर्स के 50 फाइटर जेट्स ने सटीक हमले कर इस बंकर को निशाना बनाया और उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया. वीडियो सामने आने के बाद यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है.

दरअसल, 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल की संयुक्त एयर स्ट्राइक्स में खामेनेई की मौत हो गई थी. उस समय वे तेहरान स्थित अपने कंपाउंड में मौजूद थे.ईरान के सरकारी मीडिया ने 1 मार्च को उनकी मौत की पुष्टि की थी. ⊙

सोशल मीडिया ने बनाया 'मिसिंग लीडर'

जंग के बीच किम पर मीम्स

मिडिल ईस्ट में जंग के हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं. अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान और उसके सहयोगियों की प्रतिक्रिया से पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया है.

दुनिया भर की नजर इस टकराव पर टिकी हुई है,लेकिन इंटरनेट की दुनिया में इसी बीच एक अलग ही चर्चा शुरू हो गई है.

सोशल मीडिया यूजर्स किम जोंग उन को लेकर मजेदार मीम्स बना रहे हैं.कई लोग मजाक में कह रहे हैं कि इस पूरे संघर्ष को शायद सबसे ज्यादा 'मिस' करने वाला नेता वही हैं. सोशल मीडिया पर एक मीम काफी तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें किम जोंग उन की तस्वीर के साथ एक लाइन लिखी है.यानी आपके पास दुनिया के सबसे

सोशल मीडिया यूजर्स किम जोंग उन को लेकर मजेदार मीम्स बना रहे हैं (Photo:AP)

खतरनाक हथियार हों, लेकिन कोई आपको खेलने के लिए बुलाए ही नहीं. इंटरनेट यूजर्स इस लाइन को उत्तर कोरिया की सैन्य ताकत से जोड़कर देख रहे हैं.

उनका कहना है कि मिसाइल परीक्षण और परमाणु हथियारों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाला देश इस बड़े टकराव में कहीं दिखाई नहीं दे रहा. जैसे-जैसे अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हमलों की खबरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर यह चर्चा भी शुरू हो गई कि किम जोंग उन शायद इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ देख रहे होंगे. कुछ यूजर्स ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें शायद FOMO यानी Fear of Missing Out हो रहा होगा,यानी दुनिया के बड़े टकराव में उनका नाम नहीं आ रहा. ⊙

रणवीर सिंह की फिल्म ने बढ़ाई टेंशन, 'धुरंधर 2' पर फैंस के फनी रिएक्शन

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' रिलीज से पहले ही सुर्खियों में छा गई है। फिल्म के पेड प्रीव्यू शो 18 मार्च को आयोजित किए गए हैं, जबकि इसका आधिकारिक प्रदर्शन 19 मार्च से देशभर के सिनेमाघरों में शुरू होगा। पहले भाग की शानदार सफलता के बाद इस सीक्वल को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फिल्म को लेकर इतनी चर्चा है कि हर तरफ 'धुरंधर 2' ट्रेंड करता नजर आ रहा है।फिल्म का ट्रेलर, गाने और स्टारकास्ट पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच चुके हैं, वहीं अब इससे जुड़े मीम्स भी तेजी से वायरल हो रहे हैं। खासतौर पर फिल्म के लंबे रनटाइम को लेकर इंटरनेट पर यूजर्स मजेदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की अवधि लगभग 3 घंटे 49 मिनट बताई जा रही है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर इसे 'लॉन्ग जर्नी' कहा जा रहा है।वायरल हो रहे वीडियो और मीम्स में लोग फिल्म देखने के लिए ऐसे तैयारी करते नजर आ रहे हैं, मानो वे किसी लंबी यात्रा पर जा रहे हों। कुछ लोग सूटकेस पैक करते दिख रहे हैं, तो कुछ खाने-पीने का सामान, कंबल और तकिया लेकर थिएटर जाने की बात करते नजर आ रहे हैं। इन मजेदार वीडियोज को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं और ये तेजी से वायरल हो रहे हैं।इसके अलावा कई मीम्स में ऑफिस जाने वाले लोग फिल्म देखने के लिए छुट्टी लेने की योजना बनाते हुए भी दिखाए गए हैं। निर्देशक आदित्य धर की बारीकियों पर भी सोशल मीडिया पर चर्चा तेज है। जहां कई लोग उनकी डिटेलिंग की सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक भी कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, एक सीन में किरदार द्वारा आधा सेब खाने को लेकर यूजर्स इसे फिल्म के दो भागों में बंटे होने का संकेत बता रहे हैं। इस तरह की चर्चाएं फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा रही हैं।फिल्म की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक बड़ी साउथ फिल्म 'टॉक्सिक' को अपनी रिलीज डेट आगे बढ़ाने की खबरें सामने आ रही हैं। इसके साथ ही 'धुरंधर: द रिवेंज' का म्यूजिक भी दर्शकों के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। पहले भाग की तरह इस बार भी फिल्म के गाने सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं और फैंस उन्हें काफी एंजॉय कर रहे हैं।कहानी की बात करें तो फिल्म वहीं से आगे बढ़ती है, जहां इसका पहला भाग समाप्त हुआ था। इसमें हमजा अली मजारी और मेजर इकबाल के बीच की टक्कर को और विस्तार से दिखाया गया है। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन, सारा अर्जुन और राकेश बेदी एक बार फिर अपने-अपने किरदारों में नजर आएंगे।'धुरंधर: द रिवेंज' को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज किया जा रहा है, जिससे यह देशभर के दर्शकों तक पहुंचेगी। रिलीज से पहले ही जिस तरह का माहौल बना हुआ है, उसे देखते हुए फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

रोजगार मेले में उमड़ी भीड़

हजारों युवाओं की किस्मत दांव पर

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कौशल विकास विभाग ने रोजगार मेले का आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक कंपनियों ने 15 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की। युवाओं को मौके पर इंटरव्यू और ऑफर लेटर दिए जा रहे हैं, साथ ही 'कौशल दोस्त' चैटबॉट भी लॉन्च किया गया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में कौशल विकास विभाग की ओर से बुधवार, 18 मार्च को एक भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस एक दिवसीय मेले में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। मेले में कुल 104 कंपनियां विभिन्न क्षेत्रों में भर्ती के लिए शामिल हुईं, जहां करीब 15 हजार पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। कौशल विकास मिशन के अधिकारियों का दावा है कि चयनित अभ्यर्थियों को मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किए जाएंगे।इस रोजगार मेले का उद्घाटन राज्य मंत्री कपिल देव ने किया। इस अवसर पर 'कौशल दोस्त' नामक एआई आधारित चैटबॉट भी लॉन्च किया गया, जो बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जुड़ी जानकारी और अवसरों के बारे में लगातार अपडेट उपलब्ध कराएगा। यह पहल युवाओं को डिजिटल माध्यम से रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।मेले में बैंकिंग, मैन्युफैक्चरिंग, प्रोडक्शन, ऑटोमोबाइल समेत विभिन्न सेक्टर की कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए हैं। दोपहर 1 बजे तक मेले में युवाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे अभ्यर्थी अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। कई युवाओं ने बताया कि इस तरह के आयोजन से उन्हें एक ही स्थान पर कई कंपनियों में आवेदन का अवसर मिल रहा है।मेले में भाग लेने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया निर्धारित की गई है। सबसे पहले अभ्यर्थियों को क्यूआर कोड स्कैन कर अपना रजिस्ट्रेशन करना होता है। इसके बाद उन्हें एक टोकन दिया जाता है, जिसके अनुसार वे संबंधित कंपनी के स्टॉल पर जाकर इंटरव्यू दे सकते हैं। इस व्यवस्था से भीड़ को नियंत्रित करने और प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने में सहायता मिल रही है।कौशल विकास मिशन के डायरेक्टर पुलकित खरे ने बताया कि मेले में शामिल कंपनियों के साथ पहले ही अभ्यर्थियों के वेतन, रहने-खाने की सुविधा और अन्य आवश्यक शर्तों पर सहमति बना ली गई है। उन्होंने कहा कि इस मेले में कुल 120 कंपनियों की भागीदारी है, जिनमें से 80 राष्ट्रीय स्तर की कंपनियां हैं, जबकि 40 कंपनियां स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेले युवाओं को सीधे कंपनियों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इससे न केवल बेरोजगारी कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा। सरकार की यह पहल प्रदेश के युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास मानी जा रही है।

मोहनलालगंज में बदली तस्वीर, सड़कें बनीं विकास की पहचान

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमरेश कुमार रावत ने कहा है कि जनता ने उन्हें जिस भरोसे के साथ चुना है, उस विश्वास को बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज सीट लंबे समय तक समाजवादी राजनीति का गढ़ मानी जाती रही, लेकिन वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां ऐतिहासिक जीत दर्ज की और अमरेश कुमार रावत पहली बार भाजपा के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए। विधायक रावत ने बताया कि चुनाव के दौरान क्षेत्र में एक मुद्दा सबसे अधिक चर्चा में था—"रोड नहीं तो वोट नहीं।" कई गांवों की सड़कें बेहद खराब स्थिति में थीं, जिससे लोगों का आवागमन कठिन हो गया था। नगराम से गंगागंज, बिठौली से रंगम, डोलिया से सुल्तानपुर रोड और बेनीगंज समेत कई प्रमुख मार्ग जर्जर हालत में थे। उन्होंने कहा कि जनता ने उन पर भरोसा जताते हुए विधानसभा भेजा, इसलिए उन्होंने सबसे पहले सड़कों के निर्माण और सुधार को प्राथमिकता दी। डबल इंजन सरकार के सहयोग से क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण कराया गया है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क व्यवस्था बेहतर हुई है। विधायक के अनुसार, सड़कों के सुधरने से लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिली है और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिली है। उन्होंने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं, इसलिए उनके विकास कार्यों में इसे प्राथमिकता दी गई है। अमरेश कुमार रावत ने विश्वास जताया कि आगे भी क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किए जाएंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

भर्ती अटकी, युवाओं का सब्र टूटा

राज्यमंत्री आवास घेरा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट भर्ती के अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। मंगलवार को हजरतगंज में प्रदर्शन करने के बाद बुधवार को अभ्यर्थियों ने आयुष राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र के आवास का घेराव किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया, जिससे स्थिति को नियंत्रित किया जा सका।प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि वर्ष 2024 की भर्ती प्रक्रिया लंबे समय से लंबित है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मामला न्यायालय में चला गया, जहां अब तक 53 तारीखें पड़ चुकी हैं, लेकिन कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि लगातार मिल रही तारीखों के कारण उनकी उम्मीदें कमजोर होती जा रही हैं और वे बेरोजगारी के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।अभ्यर्थी मानक राय ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया कोर्ट केस के कारण अटकी हुई है और सरकारी पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी न होने के चलते मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी लंबे समय से नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनके परिवार भी इस उम्मीद में बैठे हैं। अधिकांश अभ्यर्थी आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, ऐसे में नौकरी न मिलने पर उनकी स्थिति और भी दयनीय हो सकती है।अभ्यर्थियों के अनुसार, प्रदेश में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट

के लगभग 60 प्रतिशत पद खाली हैं। सरकार की ओर से 1002 पदों पर भर्ती निकाली गई थी, जबकि कुल स्वीकृत पदों की संख्या करीब 2100 है। इनमें से लगभग 1200 पद अब भी रिक्त पड़े हैं। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि आवश्यकता पड़ने पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) के माध्यम से लिखित परीक्षा आयोजित कर भर्ती प्रक्रिया पूरी कराई जाए। अभ्यर्थियों ने सरकार से अपील की है कि वह स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस मामले में प्राथमिकता के आधार पर हस्तक्षेप करे, ताकि लंबे समय से लंबित भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर अभ्यर्थियों को राहत दी जा सके।

कंटेनर में छुपाकर ला रहे थे करोड़ों का गांजा, लखनऊ में पकड़े गए

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से हरियाणा नंबर के एक कंटेनर में 733 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 1.83 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह खेप उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों में सप्लाई की जानी थी।एसटीएफ को सूचना मिली थी कि एक संगठित गिरोह उड़ीसा और आंध्र प्रदेश से गांजा लाकर उत्तर प्रदेश और बिहार में खपाता है। इस सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही के निर्देशन में टीम को सक्रिय किया गया। मंगलवार देर रात करीब 1:45 बजे लखनऊ में घेराबंदी कर अभियान चलाया गया।मोहनलालगंज क्षेत्र के बिंदुआ स्थित श्री महेश प्रसाद डिग्री कॉलेज के पास बाबा ढाबा के सामने संदिग्ध कंटेनर नंबर HR 55 W 3217 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कंटेनर के अंदर भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। इसके बाद मौके पर मौजूद दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका गिरोह उड़ीसा और आंध्र प्रदेश से कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता का गांजा खरीदता है और उसे मध्य प्रदेश के रास्ते उत्तर प्रदेश लाकर विभिन्न जिलों में ऊंचे दामों पर बेचता है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तस्करों की पहचान बांदा जिले के मर्दन नाका निवासी विनोद कुशवाहा और हमीरपुर जिले के नेवादा विवार निवासी जितेंद्र शिवहरे के रूप में हुई है। एसटीएफ ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन और एक टाटा कंटेनर भी जब्त किया है। दोनों के खिलाफ मोहनलालगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

गोमतीनगर पासपोर्ट ऑफिस को उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमतीनगर स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वीटीएस (विस्फोटक जांच टीम) मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की सघन तलाशी शुरू कर दी। एहतियातन पासपोर्ट कार्यालय में आम लोगों की आवाजाही पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है।घटना की जानकारी मिलते ही गोमतीनगर पुलिस तत्काल हरकत में आ गई और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर जांच अभियान तेज कर दिया। टीम ने पासपोर्ट कार्यालय के अंदर और आसपास के क्षेत्रों में गहन चेकिंग की। परिसर में मौजूद सभी लोगों और उनके सामान की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके।धमकी के मद्देनजर पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। आसपास के क्षेत्रों में भी पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन सतर्कता के तौर पर सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, धमकी किस माध्यम से दी गई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। मामले की जांच में तकनीकी टीम को भी लगाया गया है, जो कॉल या संदेश के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

विंटेज रोल्स-रॉयस से एंट्री, कुलदीप-वंशिका ने लूटी महफिल

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने शादी के बाद मंगलवार को लखनऊ स्थित फाइव स्टार होटल 'द सेंट्रम' में भव्य रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया। इस खास मौके पर कुलदीप अपनी पत्नी वंशिका सिंह के साथ पारंपरिक परिधान में नजर आए। कुलदीप ने ब्लैक प्रिंस सूट पहना, जबकि वंशिका क्रीम रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं, जिस पर रेड स्टोन का आकर्षक काम किया गया था। होटल में फूलों की वर्षा के साथ नवदंपती का जोरदार स्वागत किया गया। इस समारोह में योगी आदित्यनाथ, सतीश महाना, अखिलेश यादव और राजीव शुक्ला सहित कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। कुलदीप ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया, जबकि वंशिका ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने नवदंपती को बुके और उपहार भेंट कर सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। राजनीतिक जगत के साथ-साथ क्रिकेट जगत की भी कई बड़ी हस्तियां इस रिसेप्शन में मौजूद रहीं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर,

क्रिकेटर शिखर धवन और रविंद्र जडेजा अपनी पत्नियों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल समेत अन्य खिलाड़ियों की मौजूदगी ने समारोह की रौनक बढ़ा दी। रिसेप्शन का सबसे खास पल कुलदीप और वंशिका की एंट्री रही, जब दोनों 1960 मॉडल की विंटेज रोल्स-रॉयस कार में सवार होकर होटल पहुंचे। यह कार विशेष रूप से दिल्ली से मंगवाई गई थी। कुलदीप और वंशिका बचपन के मित्र हैं। कुलदीप का पैतृक निवास कानपुर के लाल बंगला क्षेत्र में है, जबकि वंशिका का परिवार श्याम नगर इलाके में रहता है। वंशिका ने ऑस्ट्रेलिया से अपनी पढ़ाई पूरी की है। गौरतलब है कि कुलदीप यादव हाल ही में टी20 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। इसके बाद 14 मार्च को उन्होंने उत्तराखंड के मसूरी स्थित 'वेलकमहोटल द सवॉय' में पारिवारिक और करीबी लोगों की मौजूदगी में वंशिका सिंह से विवाह किया। यह रिसेप्शन समारोह उनकी नई जिंदगी की शुरुआत का भव्य जश्न साबित हुआ।

काम में ढिलाई नहीं चलेगी!

डीएम की सख्त चेतावनी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत विभागीय प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की रैंकिंग और योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि कार्य में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने प्रत्येक विभाग के कार्यों की विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मुख्यमंत्री डैशबोर्ड को पूरी गंभीरता के साथ लें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन अपनी विभागीय रैंकिंग की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि जनपद की स्थिति किसी भी हाल में कमजोर न पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि रैंकिंग में गिरावट पाई गई तो जिम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में एनआरएलएम, महिला एवं बाल विकास, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ग्राम विकास, आईसीडीएस, मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, ओडीओपी तथा 15वें वित्त आयोग से संबंधित योजनाओं की प्रगति अपेक्षाकृत कमजोर पाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को फटकार लगाते हुए लक्ष्य निर्धारित कर शीघ्र प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग तय समयसीमा के भीतर अपने कार्यों को पूरा करें और प्रगति में तेजी लाएं। समीक्षा बैठक से पूर्व जिलाधिकारी ने जनपद में 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कार्य पूर्ण होने के तुरंत बाद हैंडओवर रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि वे कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप और टिकाऊ बनाएं। इसके अलावा उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग करने और अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लोगों तक पहुंच सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन करने और समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ईद पर शांति और भाईचारे की अपील, शहर काजी ने बताए नमाज के समय और नियम

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शहर काजी मौलाना निसार अहमद ने आगामी ईद-उल-फितर को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि चांद दिखने के आधार पर 20 या 21 मार्च को शहर में ईद की नमाज अदा होने की संभावना है, जिसका अंतिम निर्णय चांद रात के बाद लिया जाएगा। शहर काजी ने नमाजियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बड़ी ईदगाह में दो बार नमाज अदा कराने की व्यवस्था की जानकारी दी। पहली नमाज सुबह 7:30 बजे मौलाना निसार अहमद की इमामत में अदा की जाएगी, जबकि दूसरी नमाज सुबह 8:15 बजे मौलाना मोहम्मद वसीम अत्तारी के नेतृत्व में होगी। उन्होंने सभी लोगों से निर्धारित समय से पहले ईदगाह पहुंचने की अपील की, ताकि भीड़भाड़ और अव्यवस्था से बचा जा सके तथा नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। मौलाना निसार अहमद ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईद की नमाज केवल ईदगाह और मस्जिदों के अंदर ही अदा की जाएगी। सड़कों या सार्वजनिक मार्गों पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने बताया कि शहर की सभी मस्जिदों में भी नमाज मस्जिद परिसर के भीतर ही आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों से प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया।अपने संदेश में शहर काजी ने ईद को प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह पर्व खुशियां बांटने, एक-दूसरे से गले मिलने और आपसी रिश्तों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

चोरी के बाद दहशत में व्यापारी बोले—सुरक्षा बढ़ाओ

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शुक्लागंज स्थित राजधानी मार्ग पर एक शोरूम में डेढ़ लाख रुपये की चोरी का मामला सामने आया है, जिससे क्षेत्र के व्यापारियों में चिंता का माहौल है। यह घटना 9 मार्च की बताई जा रही है, जिसकी सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है। पीड़ित दुकानदार ने आरोप लगाया है कि शिकायत के एक सप्ताह बाद भी पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।पीड़ित शाहरुख के अनुसार, चोर शोरूम के पीछे के रास्ते से अंदर घुसा। उसने दीवार के सहारे प्रवेश किया और गल्ले का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी तथा एक बैग लेकर फरार हो गया। दुकान के अंदर जबरन घुसने के स्पष्ट निशान मिले हैं, जिससे चोरी की घटना की पुष्टि होती है। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। शाहरुख ने बताया कि उन्होंने संबंधित फुटेज और स्क्रीनशॉट पुलिस को सौंप दिए हैं, ताकि जल्द से जल्द कार्रवाई हो सके।शाहरुख मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के जीवाना गुलियान क्षेत्र के निवासी हैं। उन्होंने करीब दो महीने पहले ही शुक्लागंज में "99 स्टोर" नाम से अपना व्यवसाय शुरू किया था। घटना के बाद से उनका व्यापार प्रभावित हुआ है और वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि नई शुरुआत के बाद इस तरह की घटना से उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान हुआ है।पीड़ित ने बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अलावा उन्होंने पुलिस अधिकारियों से फोन पर भी संपर्क किया था, जिन्होंने एक घंटे के भीतर मौके पर पहुंचने का आश्वासन दिया था। हालांकि, उनका आरोप है कि पुलिस न तो समय पर मौके पर पहुंची और न ही अब तक मामले में किसी प्रकार की स्पष्ट प्रगति की जानकारी दी गई है।इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में भी आक्रोश देखा जा रहा है। उनका कहना है कि बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। व्यापारियों ने प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी मजबूत करने की मांग की है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ने प्रशासन से जल्द से जल्द चोरी का खुलासा कर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है, ताकि उसे न्याय मिल सके और क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बहाल हो सके।

स्कूल में नहीं आए गुरूजी, बच्चों ने खुद कर ली प्रार्थना!

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के पुरवा विकास खंड स्थित बसनोहा प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था की लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसने सरकारी स्कूलों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विद्यालय में शिक्षकों की अनुपस्थिति के बीच बच्चों द्वारा स्वयं प्रार्थना किए जाने का वीडियो सामने आने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 8 बजकर 50 मिनट की है। ग्राम पंचायत छूलामऊ के ग्राम प्रधान संदीप चौधरी जब विद्यालय पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि स्कूल परिसर में बच्चे तो मौजूद थे, लेकिन कोई भी शिक्षक उपस्थित नहीं था। बताया गया कि काफी देर तक इंतजार करने के बावजूद जब कोई शिक्षक नहीं पहुंचा, तो बच्चों ने स्वयं ही लाइन बनाकर प्रार्थना शुरू कर दी। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो ग्राम प्रधान ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया और बाद में इसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया।ग्राम प्रधान संदीप चौधरी ने आरोप लगाया कि विद्यालय में शिक्षकों के आने-जाने का कोई निर्धारित समय नहीं है। उनका कहना है कि यह समस्या नई नहीं है और पहले भी कई बार ग्रामीणों द्वारा इसकी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की इस तरह की लापरवाही का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य पर पड़ रहा है।वीडियो वायरल होने के बाद अभिभावकों में भी नाराजगी देखने को मिली है। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कर्मचारियों की लापरवाही के कारण इन योजनाओं का लाभ बच्चों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है।इस मामले पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए कहा है कि उन्हें वीडियो की जानकारी मिल गई है और पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में शिक्षकों की अनुपस्थिति या लापरवाही की पुष्टि होती है, तो संबंधित के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। यह घटना शिक्षा व्यवस्था में निगरानी, अनुशासन और जवाबदेही की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर करती है।

बंद फैक्ट्री में मिला मजदूर का शव, इलाके में सनसनी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।मृतक की पहचान 55 वर्षीय बृजलाल यादव के रूप में हुई है, जो भगवती खेड़ा शेखपुर नारी, थाना सदर के निवासी थे। परिजनों के अनुसार, बृजलाल यादव मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह बंथर क्षेत्र स्थित सुपर इंटरनेशनल नामक एक बंद पड़ी फैक्ट्री परिसर के पास गड्ढा खोदने का कार्य कर रहे थे।बताया जा रहा है कि मंगलवार शाम को बृजलाल यादव फैक्ट्री परिसर के एक कमरे में मृत अवस्था में पाए गए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रारंभिक तौर पर मामले को संदिग्ध मानते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।बुधवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के परिजन भी पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने बताया कि बृजलाल यादव ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके परिवार में पांच बेटियां और एक बेटा है, जिनमें से दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि तीन बेटियों की शादी अभी बाकी है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव के सिपाही ने खेल मैदान में मारी बाजी, हैंडबॉल में दिलाया मेडल!

उन्नाव पुलिस के आरक्षी लोकेन्द्र कुमार ने "2nd ऑल इंडिया पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर 2025-26" प्रतियोगिता में अपनी टीम के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर जनपद और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें उन्नाव पुलिस विभाग द्वारा सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव मौजूद रहे। अधिकारियों ने आरक्षी लोकेन्द्र कुमार को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर अधिकारियों ने उनके खेल कौशल, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों का खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन विभाग की सकारात्मक छवि को मजबूत करता है। उन्होंने यह भी कहा कि खेल गतिविधियों में भागीदारी से शारीरिक फिटनेस के साथ टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।अधिकारियों ने लोकेन्द्र कुमार को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया और विश्वास जताया कि वह आगामी प्रतियोगिताओं में भी जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। साथ ही अन्य पुलिसकर्मियों को भी खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने लोकेन्द्र कुमार की उपलब्धि पर खुशी जताई। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस तरह की उपलब्धियां अन्य कर्मियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनती हैं।

इफ्तार पर कार्रवाई से भड़के अखिलेश यादव

बोले—सरकार को खुश कर रही पुलिस

वाराणसी में गंगा में नाव पर इफ्तार करने पर 14 युवकों की गिरफ्तारी से सियासत गरमा गई। अखिलेश यादव और इमरान प्रतापगढ़ी ने कार्रवाई पर सवाल उठाए, जबकि भाजपा ने गंगा की पवित्रता का मुद्दा उठाया। पुलिस ने धार्मिक भावना आहत व प्रदूषण की धाराओं में केस दर्ज किया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

वाराणसी में गंगा नदी के बीच नाव पर रोजा इफ्तार करने के मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस घटना में 14 मुस्लिम युवकों की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है और विभिन्न दलों के नेताओं ने इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या गंगा में रोजा इफ्तार करना गलत है? उन्होंने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी को इफ्तार में शामिल होकर सौहार्द का संदेश देना चाहिए था। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि "हथेली गरम तो पुलिस नरम", लेकिन यहां ऐसा नहीं हुआ, इसलिए कार्रवाई की गई। अखिलेश यादव ने इसे समाज में दूरियां बढ़ाने की कोशिश करार दिया और आरोप लगाया कि प्रशासन सरकार को खुश करने के लिए इस तरह की कार्रवाई कर रहा है।कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी पुलिस कानून के दुरूपयोग का रिकॉर्ड बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि कुछ युवक नाव पर बैठकर इफ्तार कर रहे थे, लेकिन एक शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही "सबका साथ, सबका विकास" का मतलब है, जिसमें धार्मिक गतिविधियों पर भी मुकदमा दर्ज किया जाता है।वहीं, भारतीय जनता पार्टी के सांसद दिनेश शर्मा ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गंगा की पवित्रता से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक आस्था और पर्यावरण दोनों का सम्मान जरूरी है और किसी को भी नियमों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।दरअसल, सोमवार को वाराणसी में गंगा नदी के बीच नाव पर कुछ युवकों ने इफ्तार पार्टी का आयोजन किया था। इसमें रोजेदारों को फल, मेवे और चिकन बिरयानी परोसी गई। इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जिसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद हिंदूवादी संगठनों ने आपत्ति जताई।भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल की तहरीर पर कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब आठ घंटे के भीतर 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिनमें धार्मिक भावनाएं आहत करना, सार्वजनिक असुविधा फैलाना और जल स्रोत को प्रदूषित करना शामिल है। इसके अलावा जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 24 भी लगाई गई है। फिलहाल यह मामला राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जबकि पुलिस मामले की कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है।

गर्मी पर ब्रेक! यूपी में 4 दिन बारिश का अलर्ट

उत्तर प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने 19 मार्च से अगले चार दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। विशेष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसका ज्यादा असर देखने को मिल सकता है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 19 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके चलते प्रदेश में बारिश और आंधी का दौर शुरू होगा। इस बदलाव का असर तापमान पर भी पड़ेगा और अधिकतम तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।वहीं, पिछले 24 घंटों के तापमान की बात करें तो बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद वाराणसी में 37.6 डिग्री और प्रयागराज में 37.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।मौसम विभाग ने लोगों को बदलते मौसम के मद्देनजर सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर तेज हवाओं और संभावित आंधी के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया है। किसानों को भी मौसम को ध्यान में रखते हुए अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की सलाह दी गई है।

यूपी में गैस संकट से हाहाकार,

आम जनता परेशान

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत लगातार नौवें दिन भी बनी हुई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई जिलों में लोग घंटों लाइन में लगने के बावजूद सिलेंडर नहीं पा रहे हैं। बाराबंकी से एक मार्मिक मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति करीब 8 किलोमीटर पैदल चलकर गैस एजेंसी पहुंचा। वह मंगलवार आधी रात को ही घर से निकल पड़ा और तड़के 3 बजे से अमित गैस एजेंसी के बाहर लाइन में लग गया, ताकि किसी तरह सिलेंडर मिल सके।अरुण नामक इस व्यक्ति ने बताया कि उसके पिता कैंसर से पीड़ित हैं, जबकि मां ब्रेन हेमरेज के बाद गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। परिवार की जिम्मेदारी उसके कंधों पर है और घर में खाना बनाने के लिए गैस सिलेंडर बेहद जरूरी है। उसके परिवार में दो बेटियां भी हैं, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी उसी पर है। वहीं, देवरिया में एक दिव्यांग व्यक्ति गैस लेने एजेंसी पहुंचा, लेकिन उसे खाली हाथ लौटना पड़ा। एजेंसी की ओर से बताया गया कि 12 मार्च को बुकिंग कराने वाले उपभोक्ताओं को ही सिलेंडर दिए जा रहे हैं। चूंकि उसने 14 मार्च को बुकिंग कराई थी, इसलिए उसे तीन दिन बाद आने के लिए कहा गया। उधर, लखीमपुर खीरी में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सिर पर गैस सिलेंडर रखकर और गले में लकड़ी-कंडों की माला पहनकर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है, जिससे लोग एक बार फिर चूल्हे और लकड़ी पर खाना बनाने को मजबूर हो रहे हैं।

मंत्री का नाम भूल गए ब्रजेश पाठक

फिर बोले—"क्षमा करना"

टीवी भारतवर्ष

एक कार्यक्रम के दौरान उस समय हल्का-फुल्का लेकिन यादगार माहौल बन गया, जब उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मंच पर बैठे रालोद मंत्री अनिल कुमार का नाम कुछ पल के लिए भूल गए। हालांकि, पास खड़े सहयोगी ने उन्हें तुरंत नाम याद दिलाया, जिसके बाद डिप्टी सीएम ने हाथ जोड़कर मंत्री से माफी मांगी और पास जाकर उन्हें गले भी लगाया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मुस्कुराते हुए कहा, "गलती हो गई... मंत्रीजी, क्षमा करना। हम आपको देख नहीं पाए, हम सामने वालों की तरफ देखने लगे। लोकतंत्र में बहुमत की तरफ देखा जाता है।" उनके इस हल्के-फुल्के अंदाज और मजाकिया टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद सभी लोग, जिनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य मंत्री भी शामिल थे, मुस्कुरा उठे।इसके बाद ब्रजेश पाठक ने अनिल कुमार की सराहना करते हुए उन्हें जुझारू और दलित समाज का बड़ा नेता बताया। उन्होंने कहा कि अनिल कुमार, रालोद नेता जयंत चौधरी के विश्वासपात्र हैं और उनके पुराने मित्र भी हैं। उन्होंने यह भी याद किया कि वर्ष 2007 में वे स्वयं अनिल कुमार के चुनाव प्रचार में शामिल हुए थे। दरअसल, यह पूरा घटनाक्रम योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सामने आया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में सरकार की उपलब्धियों पर आधारित वार्षिक पुस्तक 'नवनिर्माण' का विमोचन किया। इस पुस्तक में बीते वर्षों में प्रदेश में हुए विकास कार्यों और विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में सरकार के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।